02

आज समाज

www.aajsamaaj.com

04

नई दिल्ली, पृष्ठ-04, मंगलवार, 30 मई 2023

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र

विक्रमी संवत 2080, मास-ज्येष्ठ, शुक्ल पक्ष एकादशी, मूल्य 2.00 रुपए

तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी समाप्त

आज समाज नेटवर्क

बल्लभगढ़। अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ के पुस्तकालय विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से पुस्तकालयों का सतत विकास विषय पर तीन-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन अग्रवाल महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता के नेतृत्व में किया गया। संगोष्ठी को राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन कोलकाता और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित व अनुमोदित किया गया है।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता ने की। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि गुरुग्राम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम से कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार रहें। बीज वक्ता प्रोफेसर केपी सिंह पुस्तकालय विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली व निदेशक, गांधी भवन, नई दिल्ली से रहें। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर एम.पी. सिंह बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ से रहें।

पुस्तक विमोचन करते हुए। आज समाज

संगोष्ठी के तीसरे व अंतिम दिन सत्र - 7 के अध्यक्षता डॉक्टर कृष्णकांत गुप्ता,प्राचार्य,अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ व डॉ. लक्ष्मी गुप्ता, सह-प्रवक्ता, सरस्वती महिला महाविद्यालय, पलवल ने की। इस सत्र में आमंत्रित वक्ता प्रोफेसर आरके भट्ट, पुस्तकालय अध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली से रहें व उन्होंने आजादी का अमृत महत्व और स्कूल पुस्तकालय विषय पर वार्ता की। सत्र-8 की अध्यक्षता प्रोफेसर आरके भट्ट,पुस्तकालय अध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय,दिल्ली ने की। इस सत्र में आमंत्रित वक्ता डॉ. प्रोणेश राय, संयुक्त निदेशक, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली से रहें व इन्होंने प्राचीन ऋषि मुनि द्वारा लिखित अनेक वैदिक उद्धरणों का साक्ष्य देते हुए तकनीकी को अपनाने के साथ-साथ अपना काम करने पर जोर दिया।

इसी सत्र में द्वितीय आमंत्रित वक्ता मिस्टर निकेश नारायण, जावेद विश्वविद्यालय, यूएई, दुबई से रहें। सत्र -9 की अध्यक्षता डॉ. प्रोणेश राय, संयुक्त निदेशक, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ने की। आमंत्रित वक्ता डॉ. एनके वार, सेवानिवृत्त निदेशक,पुस्तकालय विभाग, संस्कृति मंत्रालय रहें।

इन्होंने भारतवर्ष में प्रचलित पुरातन विश्वविद्यालय के पुस्तकालयों का इतिहास सांझा किया तदनंतर संगोष्ठी के समापन सत्र की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता ने की व उन्होंने संगोष्ठी के सफल आयोजन पर संपूर्ण टीम को बधाई देते हुए भविष्य में इस तरह की संगोष्ठी में सहायता देने का आश्वासन दिया व समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रोफेसर यूसी शर्मा, पुस्तकालय विभाग, आगरा विश्वविद्यालय, आगरा से रहें व मुख्य अतिथि ने कहा कि पुस्तकालयों के बिना विकास संभव नहीं है। आधुनिकरण चाहे कितना भी हो लेकिन नींव पुस्तकालय ही कहलाए जाएंगे। संगोष्ठी का सारांश संगोष्ठी आयोजन सह-सचिव डॉ. सचिन गर्ग द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रतिभागियों द्वारा फीडबैक लिया गया।